27 सितंबर 13

सेवा में,

**माननीय श्री अखिलेश यादव जी,**

**मुख्यमंत्री,**

उत्तर प्रदेश,

लखनऊ,

विषय : ताज की आधिकारिक बेवसाइट (विभागीय) के आवश्यक सुधार हेतु।

महोदय,

हार्दिक शुभकामनाएं,

ताज दुनियाभर के प्रेम करने वालों का वेटिकन सिटी, मदीना है। पूरी दुनिया से आने वाले 'दीवानों' के लिए हमें पलक-पांवड़े बिछाने की जरूरत है। भारत की पहचान पर उत्तर प्रदेश सरकार को और नजरे इनायत की जरूरत है। बीते साल ही करीब अस्सी लाख सैलानियों ने ताज के हुस्न का दीदार किया है। थोड़े से सुधार से यह आंकड़ा करोड़ के पार पहुंच सकता है।

ताज जितना खूबसूरत है लगभग उतनी ही खूबसूरत बेवसाइट आपने (आपके विभाग द्वारा) बनवाई है। यह देश-विदेश के लाखों पर्यटकों को आधिकारिक सूचना देकर उनके कार्यक्रम तय करने में सहयोग प्रदान करती है। इसमें कुछ सुधार अति आवश्यक है। अभी जो सूचनाएं इस पर उपलब्ध हैं वे पर्यटकों को आकर्षित करने के बजाय हतोत्साहित करती हैं।

## बेवसाइट अधूरी व गलत सूचना वाली

ताज महल के प्रचार-प्रसार के लिए बनी बेवसाइट tajmahal.gov.in अपलोड कराई है। इस बेवसाइट के कुछ आइकन/ऑप्शन काम नहीं कर रहे हैं। जो कर रहे हैं उनमें भी कई गल्तियां हैं। इस साइट के होमपेज पर पिक्चर गैलरी और ट्रैवल इनफॉरमेशन के आइकन/ऑप्शन काम नहीं कर रहे हैं।

होमपेज पर एक और ऑप्शन है ताज विजीटर, इसमें लिखा है ताज सालाना बीस से चालीस लाख विजीटर आकर्षित करता है, जबकि ताज पर बिकने वाले टिकट पिछले साल साठ लाख से ज्यादा रहे हैं और कुल विजीटर अस्सी लाख रहे हैं। इसमें आगे लिखा है कि दो लाख विदेशी होते हैं, जबकि पिछले साल लगभग आठ लाख विदेशी टिकट बिके हैं।

## ताज आने वाले पर्यटक (टिकिट बिक्री के आधार पर)

| वर्ष | भारतीय | वृद्धि % | विदेशी | वृद्धि % | कुल | वृद्धि % |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2006 | 20,48,120 | 100 | 4,91,351 | 100 | 25,39,471 | 100 |
| 2007 | 26,24,085 | 128 | 5,86,104 | 119 | 32,10,189 | 126 |
| 2008 | 26,35,284 | 128.7 | 5,91,560 | 120 | 32,26,844 | 127 |
| 2009 | 25,82,934 | 126 | 4,88,922 | 99.5 | 30,71,856 | 121 |
| 2010 | 40,81,425 | 199 | 6,17,855 | 126 | 46,99,280 | 185 |
| 2011 | 46,04,603 | 224.8 | 6,79,038 | 138 | 52,83,641 | 208 |
| 2012 | 52,34,200 | 255.6 | 7,90,616 | 161 | 60,24,816 | 237 |
| 2013* | 32,87,161 | | 4,65,901 | | 37,53,062 | |
| (सन् 2013 की संख्या अगस्त तक की है) | | | | | | |
| (सन् 2006 को आधार वर्ष 100 प्रतिशत मानने पर) | | | | | | |

ताज पर पंद्रह साल तक के बच्चों के प्रवेश पर टिकट नहीं लगता है। एक अनुमान के आधार पर माना जाता है कि 15 साल तक के बच्चों की संख्या 30 से 35 फीसदी होती है। गर्मियों की छुट्टियों में स्कूलों के ट्रिप आते हैं, सिर्फ साथ आने वाली टीचरों की टिकट लगती है। होली, ईद, दीवाली आदि छुट्टियों में भी बच्चों की संख्या बढ़ जाती है।

ताजमहल पर 18 अप्रेल को होने वाले विश्वदाय दिवस, तीन दिन चलने वाले उर्स आदि अवसरों पर टिकट नहीं लगता है। बच्चों की संख्या जोड़ देने के बाद सैलानियों की संख्या 80 लाख का आंकड़ा पार कर जाती है।

## ब्लॉग पर कैलेंडर दिखा रहा अप्रैल सन् 2010

होम पेज पर एक आइकन/ऑप्शन है 'प्लीज प्रोबाइड योर कमेंट्स हियर' इसे क्लिक करने पर जो ब्लॉग सामने आता है वह अप्रैल 2010 का कैलेंडर दिखा रहा है। इससे ऐसा लगता है कि साइट बंद है।

| APRIL 2010 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| M | T | W | T | F | S | S |
| | | | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |
| 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | | |

Search

- Categories:
  - Uncategorized
- Archives:
  - April 2010

**BLOGROLL**

## कमेंट भी नहीं हुए अपडेट

इस ब्लॉग पर आखिरी कमेंट 28 मई 2010 को पोस्ट हुआ है।

PUBLISHED IN:

- UNCATEGORIZED

ON APRIL 27, 2010 AT 4:02 PM COMMENTS (194)

The URI to TrackBack this entry is:*http://tajmahaluptourism.wordpress.com/2010/04/27/hello-world/trackback/*

RSS feed for comments on this post.

194 CommentsLeave a comment

1. On May 28, 2010 at 6:19 pm sameer said:

Its beautiful , Amazing

Reply

- On July 23, 2010 at 11:54 pm utsav said:

WAH TAZ

Reply

  - On March 29, 2011 at 8:07 pm shivam mishra chhibramau/lucknow said:

yehhh

it's a very gud looking in real.....

- On July 24, 2010 at 5:29 pm lipu said:

it is so beautyful like love in actual view of sahajahan & mumtaj

Reply

## अन्य आवश्यक सुधार भी जरूरी

## ताज खुलने और बंद होने का समय पहले से घोषित हो

ताज महल खुलने और बंद होने का समय सूर्योदय और सूर्यास्त पर निर्भर करता है। अपवादों को छोड़ दें तो आम आदमी को सूर्योदय और सूर्यास्त का समय नहीं मालूम होता। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी पंचाग के अनुसार पूरे साल का समय पहले से घोषित किया जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो काफी होटल, ट्रैवल एजेंसी अपने 'ग्राहकों' को समय की जानकारी देकर घूमने जाने की योजना में मदद कर सकते हैं। अभी साइट पर टिकट दर के

साथ लिखा है कि टिकट खिड़की सूर्योदय से 30 मिनट पहले खुलेगी, और टिकट खिड़की सूर्यास्त से 30 मिनट पहले बंद होगी। ऐसी स्थिति में सूर्योदय और सूर्यास्त का समय भी मिलने पर काफी पर्यटक ताज की साइट से सीधे देखकर अपना कार्यक्रम तय कर सकते है। इससे काफी पर्यटकों को आने के बाद न देख पाने या ढंग से न देख पाने का मलाल नहीं होगा। उनकी ताज की यात्रा यादगार लम्हों के रूप में सदा जीवंत रहेगी।

## पर्यटकों से मांगी जाने वाली आईडी का उचित प्रचार नहीं

देश के विभिन्न स्थानों से आने वाले पर्यटकों से गेट पर टिकट चैकिंग के दौरान आई डी मांगी जाती है। यह आई डी मांगने के पीछे तर्क दिया जाता है कि कोई सार्क देश का निवासी 510 रुपये की टिकट लेने के स्थान पर भारतीय वाली 20 रुपये की टिकट लेकर ताज देखने की कोशिश तो नहीं कर रहा। इस पर कई भारतीय भड़क जाते हैं। उनका तर्क होता है कि आईडी चाहिए तो पहले से सूचनात्मक प्रचार क्यों नहीं किया? क्या अब आईडी नहीं है तो क्या बिना देखे वापिस जाएं? ऐसी तकरार आगरा में पर्यटकों को हतोत्साहित करने की कार्यवाही ज्यादा प्रतीत होती हैं। इसके लिए ताज महल की वेबसाइट सहित अन्य प्रचार माध्यमों से सभी पर्यटकों को सूचित करने की आवश्यकता है। पर्यटक स्थलों पर भी बोर्ड आदि के माध्यम से विज्ञापित किया जा सकता है।

हमारा पुन: अनुरोध है कि नवंबर से टूरिस्ट सीजन शुरू हो जाता है, अत: अपेक्षित सुधार शीघ्रताशीघ्र करवा दें। पर्यटन एवं प्रदेश हित में यह लाभकारी रहेगा।

धन्यवाद एवं आदर सहित।

के. सी. जैन
सचिव

वाई. के. गुप्ता
उपाध्यक्ष

पूरन डाबर
अध्यक्ष

राकेश गर्ग
संयुक्त सचिव

चक्रेश जैन
कोषाध्यक्ष